



पाँचवाँ बमिस्टेक शखिर सम्मेलन

प्रलमिस् के लयि:

पाँचवाँ बमिस्टेक शखिर सम्मेलन, बमिस्टेक, सार्क, बमिस्टेक चार्टर, हदि महासागर रमि एसोसिएशन (IORA) ।

मेन्स के लयि:

नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी, गुजराल सदिधांत, भारत को शामिल करने वाले समूह और समझौते और/या भारत के हतियों को प्रभावति करने वाले, वैश्वकि समूह ।

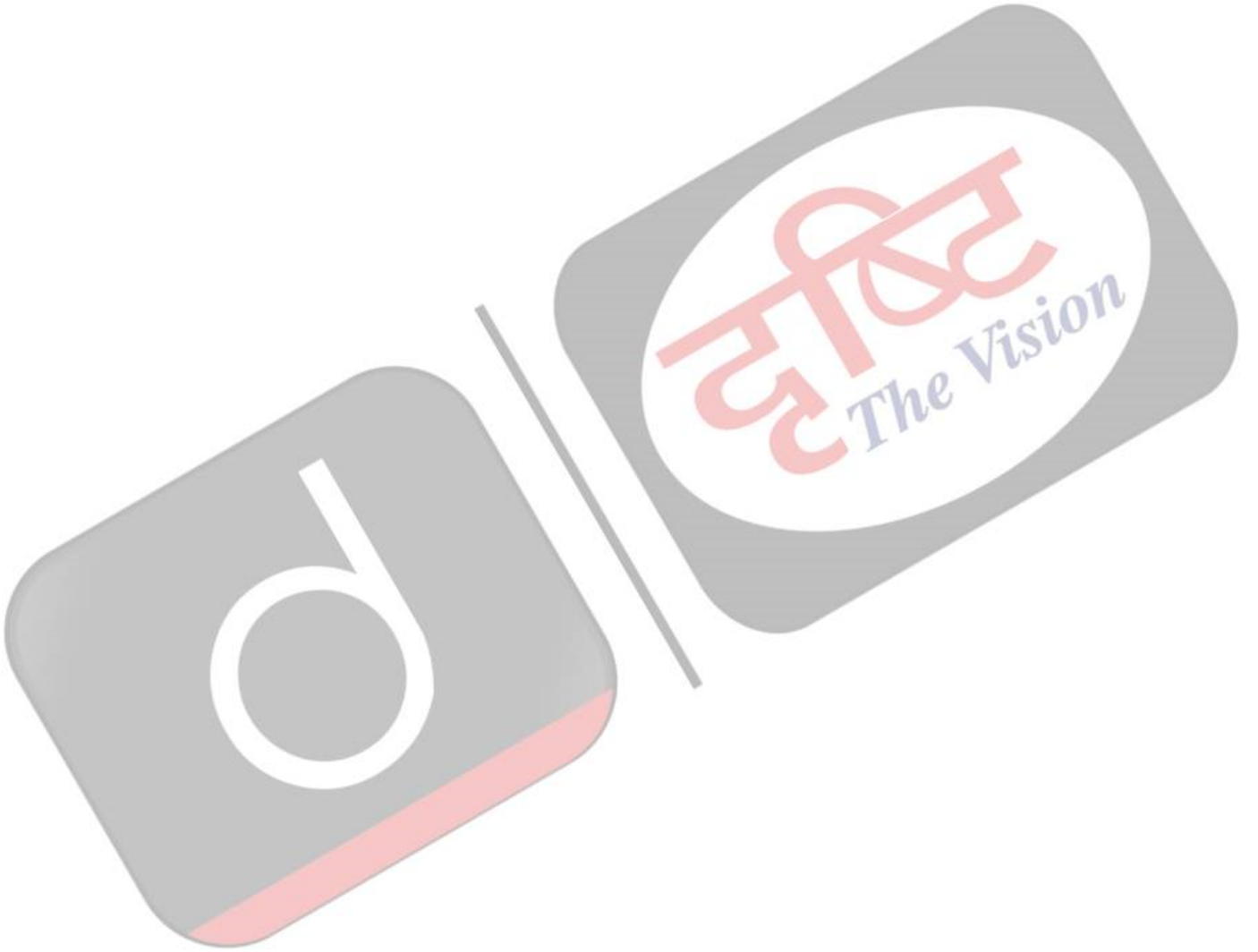
चर्चा में क्योँ?

हाल ही में [बमिस्टेक \(बंगाल की खाड़ी बहु-कषेत्तरीय तकनीकी और आर्थकि सहयोग पहल\) समूह](#) का पाँचवाँ शखिर सम्मेलन कोलंबो (श्रीलंका) में आयोजति कयिा गया ।



शखिर सम्मेलन की मुख्य विशेषताएँ:

- **बमिस्टेक चार्टर:** बमिस्टेक चार्टर पर हस्ताक्षर इस शखिर सम्मेलन का मुख्य परिणाम था।
 - इस चार्टर के तहत सभी सदस्य दो वर्ष में एक बार मिलते हैं।
 - चार्टर के साथ बमिस्टेक का अब एक अंतरराष्ट्रीय अस्तित्व है। साथ ही इसका एक प्रतीक चहिन है, एवं एक झंडा भी है।



- इसका औपचारिक रूप से सूचीबद्ध उद्देश्य और सदिधांत हैं।
- संगठन के औपचारिक ढाँचे में विकास के क्रम में सदस्य देशों के नेताओं ने समूह के कामकाज को सात खंडों में वभाजति करने पर सहमत वियक्त की गई है, जसिमें भारत सुरक्षा स्तंभ को नेतृत्व प्रदान करता है।

BIMSTEC के स्तंभ	
बांग्लादेश	व्यापार, नविश और विकास
भूटान	पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन
भारत	सुरक्षा उप क्षेत्र: आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय अपराध का मुकाबला, आपदा प्रबंधन, ऊर्जा
म्यांमार	कृषि एवं खाद्य सुरक्षा उप क्षेत्र: कृषि, मत्स्यन तथा पशुपालन
नेपाल	पीपल-टू-पीपल संपर्क उप क्षेत्र: संस्कृति, पर्यटन, पीपल-टू-पीपल संपर्क (थकि टैक, मीडिया आदि के मंच)
श्रीलंका	वजिज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार उप क्षेत्र: प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, मानव संसाधन विकास
थाईलैंड	कनेक्टविटी

- **परविहन कनेक्टविटी हेतु मास्टर प्लान:** शखिर सम्मेलन में परविहन कनेक्टविटी के लिये मास्टर प्लान की घोषणा हुई है, जो क्षेत्रीय एवं घरेलू कनेक्टविटी के लिये एक ढाँचा प्रदान करेगा।
- **अन्य समझौते:** सदस्य देशों ने आपराधिक मामलों पर पारस्परिक कानूनी सहायता को लेकर एक संधिपर भी हस्ताक्षर किये हैं।
 - कोलंबो (श्रीलंका) में बमिस्टेक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुविधा (TTF) की स्थापना को लेकर एक समझौता ज्ञापन (MoA) पर भी हस्ताक्षर हुए।
 - भारत अपने परिचालन बजट को बढ़ाने के लिये (बमिस्टेक) सचवालय को 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रदान करेगा।

बमिस्टेक:

- बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बमिस्टेक) एक क्षेत्रीय संगठन है जिसके 7 सदस्यों में से 5 दक्षिण एशिया से हैं, इनमें बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका शामिल हैं तथा दो- म्यांमार व थाईलैंड दक्षिण-पूरव एशिया से हैं।
- यह उप-क्षेत्रीय संगठन वर्ष 1997 में **बैंकॉक घोषणा** के माध्यम से अस्तित्व में आया।
- दुनिया की 21.7 फीसदी आबादी और 3.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ बमिस्टेक आर्थिक विकास के एक प्रभावशाली इंजन के रूप में उभरा है।
- बमिस्टेक का सचवालय **ढाका** में है।
- **संस्थागत तंत्र:**
 - बमिस्टेक शखिर सम्मेलन
 - **मंत्रसितरीय बैठक**
 - वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक
 - बमिस्टेक वर्कगि गुरुप
 - व्यापार मंच और आर्थिक मंच

क्या बमिस्टेक सारक का एक विकल्प है?

- भारत के प्रधानमंत्री ने वर्ष 2014 में अपनी **नेबरहुड फ्रसट पॉलिसी** की तर्ज पर पाकसितान सहित **दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सारक)** देशों को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया था।
 - प्रधानमंत्री ने नवंबर, 2014 में काठमांडू में **18वें सारक शखिर सम्मेलन** में भी भाग लिया था।
 - हालाँकि अक्टूबर 2016 में **उरी हमले** (भारतीय सैन्य अड्डे पर) के बाद भारत ने बमिस्टेक को नए सारि से बढ़ावा दिया जो लगभग दो दशकों से अस्तित्व में था लेकिन बड़े पैमाने पर इसे नज़रअंदाज कर दिया गया था।
- गोवा में ब्रिक्स शखिर सम्मेलन के साथ-साथ **पीएम ने बमिस्टेक नेताओं के साथ एक आउटरीच शखिर सम्मेलन** की मेज़बानी की।
- बमिस्टेक देशों ने नवंबर 2016 में इस्लामाबाद में होने वाले **सारक शखिर सम्मेलन के बहर्षिकार** तथा भारत के आह्वान का समर्थन किया था।
- परिणामस्वरूप **सारक शखिर सम्मेलन अनशिचितकाल के लिये स्थगित** कर दिया गया था।
- इस प्रकार पाकसितान के साथ संबंध टूटने के कारण भारत ने सारक के तहत कई प्रमुख पहलों पर कार्य करते हुए अन्य क्षेत्रीय समूहों जैसे कि बमिस्टेक और **हिंद महासागर रमि एसोसिएशन (IORA)** पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया।

आगे की राह

- **बमिस्टेक एफटीए:** वर्ष 2018 में फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक अध्ययन ने सुझाव दिया था कि बमिस्टेक को

- वास्तविक प्रभाव स्थापित करने के लिये तत्काल एक व्यापक व्यापारिक समझौते की आवश्यकता है।
- चूँकि यह क्षेत्र स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा की चुनौतियों का सामना कर रहा है तथा इसने एकजुटता एवं सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया है, एफटीए बंगाल की खाड़ी को संपर्क मार्ग, समृद्धि, सुरक्षा का वाहक बना देगा।
 - इसके अलावा बमिस्टेक के वकिसति आकार के दो आवश्यक घटकों के रूप में तटीय शपिगि पारस्थितिकि तंत्र और बजिली ग्रडि इंटरकनेक्टिविटी की आवश्यकता है।
- **गुजराल सदिधांत:** चूँकि BIMSTEC एक भारत-प्रधान ब्लॉक है, इस संदर्भ में भारत गुजराल सदिधांत का पालन कर सकता है, जो द्वपिक्षीय संबंधों में संव्यवहार हेतु मार्गदर्शन प्रदान करता है।
- गुजराल सदिधांत भारत के निकटतम पड़ोसियों के साथ वदिशी संबंधों के संचालन का मार्गदर्शन करने के लिये पाँच सदिधांतों का एक समूह है। ये सदिधांत हैं:
 - भारत को अपने पड़ोसी देशों- मालदीव, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान के साथ वशिवसनीय संबंध बनाने होंगे, उनके साथ वविादों को बातचीत से सुलझाना होगा तथा उन्हें दी गई कसिी मदद के बदले में तुरंत कुछ हासलि करने की अपेक्षा नहीं करनी होगी, साथ ही कसिी भी प्राकृतिक, राजनीतिक और आर्थिक संकट को सुलझाने में मदद करनी होगी।
 - दक्षिण एशिया का कोई भी देश अपनी ज़मीन से कसिी दूसरे देश के खलिाफ देश-वशिधी गतविधियीं नहीं चलाएगा।
 - कसिी भी देश को दूसरे के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देना चाहिये।
 - सभी दक्षिण एशियाई देशों को एक-दूसरे की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करना चाहिये।
 - उन्हें अपने सभी वविादों को शांतपूरण द्वपिक्षीय वारता के माध्यम से सुलझाना चाहिये।

स्रोत: द हट्टू

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/fifth-bimstec-summit>

